P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-2* ISSUE-2* May- 2017
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

रंग और आपका व्यक्तित्व

सारांश

रंग आपके व्यक्तित्व का अमूर्त दर्पण है जो कि रंग प्राथमिकता को स्वतः ही उजागर करते है। उपरोक्त परिणाम यह सिद्ध करते है कि रंगो का चुनाव आपके व्यक्तित्व का ही एक परिणाम है। भिन्न–भिन्न अवस्थाओ में हमारी प्राथमिकता बदलती रहती है और मनुष्य का अधिंकाश व्यवहार फैशन से प्रभावित होता है।

मुख्य शब्द : व्यक्तित्व, प्राथमिकता, रंग, फैशन, उन्माद, संतुलन, चयन, प्रभावित, अध्ययन, शोधपद्धति, शोध, तथ्य संकलन, व्यवहार, बहुधंधी, सलीकेदार, निर्णायक, सादगी, परिधान, आत्मसात, कुशलता, भड़कीले, मनोशारीरिक, अपूर्व, समयोजन, विचारधारा, अंर्तमुखी, बहुमुखी, उभयमुखी, प्रदर्शन, दार्शनिक।

शैलजा राठौर
शोध छात्रा,
गृह विज्ञान विभाग,
कमलाराजा कन्या
स्वा. महाविद्यालय,
ग्वालियर, म.प्र.

सुनीता शर्मा
सहायक प्राध्यापक,
गृह विज्ञान विभाग,
कमलाराजा कन्या
स्वा. महाविद्यालय,
ग्वालियर, म.प्र.

ज्योति प्रसाद
सेवा निवृत प्राचार्य,
गृह विज्ञान विभाग,
विजया राजे कन्या मुरार
कॉलेज, ग्वालियर, म.प्र.

प्रस्तावना

रंगो से जुड़कर एक ओर जहां आपका व्यक्तित्व बाहरी दुनिया में निर्णायक मोड़ लेता है, वही दूसरी ओर उसके माध्यम से आपका भीतरी संसार भी परिभाषित होता है। यही कारण है कि बहुधंधी क्षेत्र में व्यस्त तथा सफलतम व्यक्ति रंगों का चुनाव बिल्कुल ऐसे करते है जैसे किसी अपने मित्र का चयन।

रंग आपके खूबसूरत व्यक्तित्व का दर्पण ही नहीं सुरूचि और सलीकेपन का प्रतीक तथा आपकी पहचान के साधन भी है। यदि आप स्वयं को गंभीर और दूसरे की नजर में सलीकेदार सिद्ध करना चाहते है तो आंखो में चुभने वाले चटख भडकीले व शोख रंगों का चुनाव कभी भी न करें। दूसरों की नकल, फैशन की होड़ या दूसरों की पसंद के मुताबिक रंगों का चयन कई बार भारी दिक्कतें खड़ी कर देते है। इस चयन से आपकी मानसिकता और परिवेश के प्रति सजगता का भी प्रदर्शन होता है।

शांत व सौम्य रंग जहां आपकी सादगी और जीवन के प्रति गंभीरता को दर्शायेगे और दूसरो के ऊपर प्रभावी असर छोड़ जायेगे। अतः जहां तक संभव हो अपने परिधानों में रंगो की फौज खड़ी न करें वरन् सादे सुरूचिपूर्ण रंगो को ही महत्व दें। फैशन की रफ्तार के साथ–साथ अपने लिवासों की शैली आधुनिक दिखने के लिये अवश्य बदलें परन्तु रंगों का दामन न छोड़े और न ही फूहड रंगों की गिरफ्त में उलझें।

महिला व पुरूषों की एक रंग को लेकर समान सोच नही होती और ऐसा होना स्वाभाविक भी है। क्योंकि दोनो के व्यक्तित्व में भिन्नता पाई जाती है महिलाएं जहां भड़कीले रंग पसंद करती है, पुरूष हल्के रंग पसंद करते है। क्यों कि दोनो अलग अलग क्षेत्र के स्वांमी होते है।

व्यक्ति का व्यक्तित्व रंगो के चुनाव से प्रभावित होता है, मनुष्य अपने व्यक्तित्व को निजी छवि और शक्ति पहचानने की क्षमता रखता है खुद के बारे में आपकी जितनी गहरी समझ होगी उतनी ही कुशलता से आप दूसरों के समक्ष अपने व्यक्तित्व को प्रकट कर सकेगें। रंगो के चुनाव है परिवेश के अहम भूमिका होती है क्यों कि हम अपने आस पास के परिवेश से ही रंगो को आत्मसात करते है।

व्यक्तित्व

आलपोर्ट के अनुसार

''व्यक्तित्व व्यक्ति के मनोशारीरिक स्वरूपों का यह गव्यात्मक संगठन है जो उसके वातावरण के अपूर्व समायोजन को निर्धारित करता है।''

वुडवर्ड के अनुसार

''व्यक्तित्व व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यवहार की विशेषता है जिसका प्रदर्शन उसके विचारों की आदत व्यक्त करने के ढ़ग, अभिवृत्ति तथा रूचि, कार्य करने के ढ़ग तथा जीवन के प्रति उसकी दार्शनिक विचारधारा के रूप में परिभाषित किया जाता है।''

व्यक्तित्व के प्रकार

व्यक्तित्व मुख्यता तीन प्रकार के होते है

1. अंर्तमुखी
2. बहुमुखी
3. उभयमुखी

जो व्यक्ति अपनी बात साधारण रूप से सबके सामने प्रस्तुत नही कर पाते और स्वंय के प्रदर्शन को छुपाते है ऐसे व्यक्ति अंर्तमुखी व्यक्तित्व के होते है।

खुल कर सबके सामने हंसना बोलना और अपनी बात सबको खुलकर बताना ऐसे व्यक्ति बहुमुखी व्यक्तित्व के स्वामी होते है।

जो दिल में कुछ और रखते है और चेहरे पर कुछ और ना सबको अपनी बात बताते है न सबसे छुपाते है ऐसे व्यक्ति उभयमुखी व्यक्तित्व के स्वामी कहे जाते है।

उद्देश्य

1. विभिन्न व्यक्तियों के व्यक्तित्व और उनकी रंगी प्राथमिकता का अध्यन करना

A- विभिन्न अंर्तमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता का अध्यन करना

B- विभिन्न बहुमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता का अध्यन करना

C- विभिन्न उभयमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता का अध्यन करना

शोध पद्धति

सामाजिक शोध कैसा भी हो उसके लिये वैज्ञानिक प्रविधियों का प्रयोग करना आवश्यक है सामाजिक घटनाओं का जब तक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परीक्षण नहीं होगा तब ऐसे शोध का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। सामाजिक शोध एक जटिल प्रक्रिया है।

शोधार्थी को समस्या का चयन करने के तुरन्त बाद उससे संबंधित कुछ निश्चित परिकल्पनाओं के उद्देश्यों की आवश्यकता होती है। जब हमारे उद्देश्य हमारी समस्याओं से संबंधित हमारे उत्तर की धारण विकसित कर लेते है तब हमारे सही उद्देश्य परिकल्पना कहलाते है।

परिकल्पनायें

1. विभिन्न व्यक्तियों के व्यक्तित्व में सार्थक अंतर पाया जायेगा ।
2. विभिन्न व्यक्तियों के व्यक्तित्व और उनकी रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा ।

A- विभिन्न अंर्तमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

B- विभिन्न बहुमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

C- विभिन्न उभयमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

तथ्य संकलन

शोधार्थी द्वारा कुल 300 सभी उर्म की महिला पुरूषों का चयन करने के पश्चात स्वनिर्मित प्रश्नावली द्वारा भरांक के फल स्वरूप तथ्यों का विश्लेषण किया गया जिसके अंर्तगत सभी प्रकार के व्यक्तित्व शामिल किये गये है।

तालिका

कुल 300 व्यक्तियों के व्यक्तित्व अनुसार तालिका

आयु	अंर्तमुखी	बहुमुखी	उभयमुखी	योग
पुरूष	40	27	83	150
महिला	66	50	34	150

विभिन्न व्यक्तियों और उनकी रंग प्राथमिकता की तालिका

व्यक्तित्व एव व्यक्ति	लाल	पीला	नीला	हरा	नारंगी	बैगनी	योग
अंर्तमुखी	7	25	42	19	12	15	106
बहुमुखी	24	16	5	09	13	10	77
उभयमुखी	30	19	29	14	8	17	117
							300

तथ्यों का विश्लेषण

सांख्यिकीय परिकल्पना का परीक्षण एक ऐसी प्रक्रिया होती है, जिससे यह निर्णय लिया जा सके कि शोध कार्य में प्राप्त प्रतिदर्श मानो के आधार पर परिकल्पना को स्वीकार किया जा सकता है या अस्वीकार, उस परिकल्पना को जिसका परीक्षण यह मान कर किया जाता है कि यह सत्य है, शून्य परिकल्पना कहते है।

शोधार्थी द्वारा कल्पित की गई परिकल्पनाओ में माना गया कि व्यक्तित्व और रंग प्राथमिकता मे अंतर पाया जायेगा।

तालिका क्रंमाक 1 को देखने पर स्पष्ट होता है कि विभिन्न व्यक्तियो के व्यक्तित्व में भिन्नता पाई जाती है। जिसमे कि सर्वाधिक बहुमुखी व्यक्तित्व के व्यक्ति पाये गये।

तालिका क्रंमाक 2 के अवलोकन से यह बात स्पष्ट होती है कि विभिन्न व्यक्तियो के व्यक्तित्व और रंग प्राथमिकता में भिन्नता पाई गयी।

शोधार्थी ने पाया कि अर्न्तमुखी व्यक्तियो ने सर्वाधिक नीले रंग को प्राथमिकता दी है। उसके बाद पीले को फिर हरे रंग को, बैंगनी, नारंगी व सबसे कम लाल रंग को पसंद किया।

जबकि इसके विपरीत बहुमुखी व्यक्तित्व के व्यक्तियो ने सर्वाधिक लाल रंग को प्राथमिकता दी। उसके बाद पीले को फिर नारंगी, बैगनी, हरा व सबसे कम नीले रंग को प्राथमिकता दी।

तालिका अवलोकन से यह स्पष्ट है कि उभयमुखी व्यक्ति सर्वाधिक पाये जाते है। जिसमे कि लाल रंग को अधिक प्राथमिकता देते है। और क्रमशः नीला, पीला, बैगनी, हरा व सबसे कम नारंगी रंग को प्राथमिकता देते है।

हम कह सकते है कि रंग का चुनाव आपके व्यक्तित्व से प्रावाभित होता है मनुष्य का व्यवहार, उसका चरित्र और उसका रहन सहन बाहिरी परिवेश से मिलकर बनता है।

भले ही आप कभी विपरीत परिस्थिती में अनचाहे रंग का चुनाव कर ले परन्तु यह आपके व्यक्तित्व को मेल नही खायेगा और आप अपेक्षित महसूस करेंगे।

निष्कर्ष

जैसे– परिधान, वेशभूषा, फर्नीचर, मकान की मरम्मत, जेवर साथ ही चलना, बैठना, भाव भंगिता दिखलाना आदि भी फैंशन से प्रभावित होते है। फैंशन अत्यन्त परिवर्तनशील है, और मनुष्य हमेशा फैंशन का अनुसरण करता है और उसके पीछे दौड़ता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Dr. V. N. Rao, Human Development and Research Agra Prakasan Agra
2. E.Coff: The Design of Social Research 1969
3. Coren,- Stanley, Harland, Renate-E, Personality correlates of Variations in Visual and auditory abilities
4. अग्रवाल एवं पाण्ड़ेयः सामाजिक शोध, आगरा बुक स्टोर
5. बटालिया श्रीमती संतोष, परिधान, एज ऑफ एनलाइटमेंट पब्लिकेशन 50,
6. बघेल डी.एस. सामाजिक अनुसंधान साहित्य भवन, पब्लिकेशर्स एण्ड़ डिस्ट्रीब्यूटर्स
7. डॉ. कमला वर्मा, वस्त्र विज्ञान एवं परिधान
8. गुप्ता बी.एन. साख्यिकी साहित्य भवन, आगरा
9. व्यक्तित्व विज्ञान H.L.Golotiya Univercity of Chennai